

24⁹/₂₄ पत्रावली पेश हुई मोड़ी की उपर
नहीं। वादी व वादी कमील के बाद-वा
आवाज़ लगायी गयी। किन्तु मोड़ी की उपर नहीं
है। वादी व वादी कमील के आवाज़द सुनना
अनुसंधान से पत्रावली अदम राजमि कादम
पैली में खासि की वाली है। प्रसंगी
कैदल मुग़ल होकर वापर से मग है।
बाद शक्ति शाब्दिक इमाल है।